

रांची

शनिवार, वर्ष 10, अंक 21

# आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



नौकरी होगी पक्की तभी तो युवा करेगा तरक्की

सुनिश्चित  
दोजगार

2.87 लाख  
सरकारी नौकरी

जॉब कैलेंडर  
जारी

5 लाख  
स्वरोजगार



टोटी बेटी माटी की पुकार  
झारखंड में भाजपा सरकार  
कमल का बटन दबाएं  
भाजपा को जिताएं  
मारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश

सिमडेगा और लोहरदगा में इंडी गठबंधन की चुनावी सभाएं  
**हमारी सरकार बनाइये, खाते में  
'खटाखट' देंगे ढाई हजार: राहुल**

- यह सविधान बघाने की लड़ाई है
- हमारी बातें भाजपा को देश तोड़नेवाली लगती हैं



आजाद सिपाही संवाददाता

सिमडेगा-लोहरदगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि हमारी बातें भाजपा को देश तोड़नेवाली लगती हैं। इस गठबंधन के पक्ष में चुनावी सभाओं में उन्होंने आदिवासी, अंबानी-अडाणी और सविधान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, हम आदिवासी, दलितों और पिछड़े उन्होंने जित जनगणना करा कर की हक की बात करते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा है कि राहुल गांधी ने जो सात बादे जनता से किये हैं, उन्हें पूरा किया

हैं। हम सविधान की रक्षा कर रहे हैं, जबकि वे खस्त करना चाहते हैं। इस चुनाव में राहुल गांधी की अंबानी-अडाणी और सरकार के समर्थन है। उन्होंने कहा कि यह यह घटनाएं ज्ञारखंड यात्रा थी। वह सविधान के बाबों को लड़ाई है।

आपका हक-अधिकार अंबानी-अडाणी जैसे अरबपतियों को देना चाहते हैं। भारत सरकार के बजट में 90 आइएप्स अफसर रहते हैं, जिसमें स्पॉष एक प्रतिशत दलित, आदिवासी, पिछड़ा, अल्पसंख्यक रहते हैं। भाजपा धर्म और जाति की राजनीति करती है।

राहुल गांधी ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि राहुल गांधी को लड़ाई नहीं है। यह गरीबों की सरकार है। उन्होंने कहा कि यह सविधान के बाबों की लड़ाई है।

मोदी अरबपतियों को फायदा पहुंचाना चाहते हैं, हम गरीबों की मदद करना चाहते हैं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए खटाखट पहुंचाने की घोषणा की। उन्होंने जित जनगणना करा कर की हक की बात करते हैं। हमरे लिए आ आदिवासी हो। जल, जंल, जमीन आपका है, तो इसका अधिकार का फायदा आपको ही मिलना चाहिए। वे

को लिए आपको आदिवासी नहीं, वनवासी कहते हैं। हमरे लिए आ आदिवासी हो। जल, जंल, जमीन आपका है, तो इसका अधिकार का फायदा आपको ही मिलना चाहिए।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी कर दिया। इसमें राज्य के नवनिर्माण के लिए नौ संकल्प लिये गये हैं। पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो ने पत्र के प्रमुख बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनडीए की सरकार में परीक्षा शुल्क 10 रुपये होगा और एक साल में सरकार के सभी खाली पद भरे जायेंगे। साथ ही ढाई हजार रुपये वृद्धि पेंशन दी जायेगी। (पेज पांच भी देखें)

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उन्होंने बताया कि एनडीए की सरकार में परीक्षा शुल्क 10 रुपये होगा और एक साल में सरकार के सभी खाली पद भरे जायेंगे। साथ ही ढाई हजार रुपये वृद्धि पेंशन दी जायेगी। (पेज पांच भी देखें)

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 10 नवंबर रविवार को रांची में भव्य रोड शो करेंगे। शाम चार बजे से वह रोड शो आटोसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आयेंगे। यह जानकारी शुक्रवार को रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने अपने

कोट्रीय कार्यालय में मीडिया को दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 10 नवंबर रविवार को रांची में भव्य रोड शो करेंगे। शाम चार बजे से वह रोड शो आटोसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आयेंगे। इसीलिए भाजपा के नेता राज्य में गिर्द और कौवे की तरह मंडरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार झारखंड के गरीबों, आदिवासी दलितों के लिए लगातार काम कर रही थी, लैकिन पिछले पांच वर्षों के दौरान केंद्र द्वारा उन्हें लगातार परेशन किया गया। भाजपा हर तरह की साजिश कर सरकार को गिराने के लिए लगातार प्रयास करती रही। इसीलिए भाजपा के नेता राज्य में गिर्द और कौवे की तरह मंडरा रहे हैं। (पेज तीन भी देखें)

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 10 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रांची में भाजपा प्रत्यासियों के पक्ष में रोड शो करेंगे। शाम चार बजे से वह रोड शो आटोसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आयेंगे। इसीलिए भाजपा के नेता राज्य में गिर्द और कौवे की तरह मंडरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 10 नवंबर रविवार को रांची में भव्य रोड शो करेंगे। शाम चार बजे से वह रोड शो आटोसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आयेंगे। इसीलिए भाजपा के नेता राज्य में गिर्द और कौवे की तरह मंडरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 10 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रांची में भाजपा प्रत्यासियों के पक्ष में रोड शो करेंगे। शाम चार बजे से वह रोड शो आटोसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आयेंगे। इसीलिए भाजपा के नेता राज्य में गिर्द और कौवे की तरह मंडरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 10 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रांची में भाजपा प्रत्यासियों के पक्ष में रोड शो करेंगे। शाम चार बजे से वह रोड शो आटोसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आयेंगे। इसीलिए भाजपा के नेता राज्य में गिर्द और कौवे की तरह मंडरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 10 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रांची में भाजपा प्रत्यासियों के पक्ष में रोड शो करेंगे। शाम चार बजे से वह रोड शो आटोसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आयेंगे। इसीलिए भाजपा के नेता राज्य में गिर्द और कौवे की तरह मंडरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 10 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रांची में भाजपा प्रत्यासियों के पक्ष में रोड शो करेंगे। शाम चार बजे से वह रोड शो आटोसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आयेंगे। इसीलिए भाजपा के नेता राज्य में गिर्द और कौवे की तरह मंडरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 10 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रांची में भाजपा प्रत्यासियों के पक्ष में रोड शो करेंगे। शाम चार बजे से वह रोड शो आटोसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आयेंगे। इसीलिए भाजपा के नेता राज्य में गिर्द और कौवे की तरह मंडरा

# 'झारखंड के दिल' में इंडी-एनडीए के बीच है असली मुकाबला

- दक्षिणी छोटानागपुर के पांच जिलों की 15 सीटों पर होगा दलों का लिटमस टेस्ट
- पिछली बार झामुमो-कांग्रेस ने नौ सीटें जीत कर भेद दिया था भाजपा का किला
- सीधे मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में जुटे हैं एनोस एकका और जयराम महतो

झारखंड की सियासी खासियत यह है कि यहां का हरेक प्रमंडल अपने-आप में अलग राजनीतिक दृष्टिकोण समेटे हुए हैं, तो वहीं ये सभी एकजुट होकर एक मजबूत राजनीतिक इकाई का निर्माण करते हैं। दसरे शब्दों में कहा जाये, तो झारखंड उस रेलगाड़ी की तरह है, जिसका हरेक डिब्बा अपने-आप में एक इकाई है, लेकिन जब ये डिब्बे एकजुट हो जाते हैं, तो एक रेलगाड़ी बना लेते हैं। झारखंड का दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल भी इसी तरह इस रेलगाड़ी का एक डिब्बा है, या यों कहें कि इस रेलगाड़ी का इंजन है। यह प्रमंडल राजनीतिक दृष्टि से बेटद महत्वपूर्ण है,

क्योंकि राजधानी रांची इसका एक जिला है। राजनीतिक और प्रशासनिक मुख्यालय होने के नाते रांची समेत पूरा दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल हमेशा सुर्खियों में रहता है। पांच जिलों की तीन लोकसभा और 15 विधानसभा सीटों वाले इस प्रमंडल की राजनीति कभी एकत्रण की नहीं होती है। विधानसभा चुनाव के

दृष्टिकोण से इस प्रमंडल को कभी भाजपा का गढ़ माना जाता था, लेकिन 2019 में झामुमो-कांग्रेस ने इस किले को भेद दिया था। प्रमंडल की 15 सीटों में से इन दोनों दलों ने मिल कर नौ सीटें जीत कर भाजपा को महज पांच सीटों पर रोक दिया था, जबकि एक सीट आजसू के खाते में गयी थी। हालांकि उस चुनाव में भाजपा ने जिन दो

आदिवासी सीटों पर जीत हासिल की थी, वे इसी प्रमंडल में आती हैं। दक्षिणी छोटानागपुर झारखंड का सबसे शिक्षित और विकसित प्रमंडल माना जाता है, हालांकि यहां की 71 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की है। इस प्रमंडल ने झारखंड बनने से पहले और बाद में कई अवसरों पर इलाके की नवी डिव्हां दी है और इस बार भी यहां राजनीति की नवी डिव्हां लिखे जाने की संभावना दिखाई दे रही है। यहां है प्रमंडल की 15 विधानसभा सीटों का राजनीतिक परिदृश्य और क्या हो सकते हैं यहां के चुनावी मुद्रे, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता गफेश रिंग।



राकेश सिंह

आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। यहां तक विधानसभा चुनाव की सीटों का सवाल है, तो 15 सीटों में पांच-पांच सीट कांग्रेस और भाजपा के पास और एक सीट आजसू के पास है। विधानसभा सीटों में 11 आदिवासियों के लिए और एक अनुशूलित जाति के लिए आरक्षित है। अनारक्षित सीटों में रांची, सिल्ली और हटिया शामिल हैं।

2019 के विधानसभा चुनाव में इस इलाके में एनडीए विखर गया था, जिसका फायदा तब झामुमो-कांग्रेस और राजद गठबंधन ने उठाया और 15 में से नौ सीटों पर धमकेदार जीत दर्ज की थी। इस बार एनडीए एकजुट है। आजसू पार्टी फिर से एनडीए में है। बाबूलाल मरांडी की पार्टी झारखंड विकास मोर्चा का भाजपा में विलय हो गया है। जट्यू और लोजपा (रामविलास) भी साथ हैं। दोनों गठबंधन किलाहाल बराबरी पर दिख रहे हैं। 19-20 का ही फर्क है। इसके बावजूद अगर किसी गठबंधन के पक्ष में माहौल बन गया, तो परिणाम बदल सकते हैं।

## इलाके की दो लोकसभा सीटें कांग्रेस के पास

2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देखा जाये, तो झाँडिया बॉल्कों को नुकसान होता नहीं सीटों का नियन्त्रण है, इलाके के पास एक (तमाङ) और आजसू के पास एक (सिल्ली) सीट है। इस बार के विधानसभा चुनाव की खास बात यह है कि कांके को छोड़ कर सभी सीटों पर पुराने प्रतिद्वंद्वी ही मैदान में हैं।

विधानसभा सीटों में से भाजपा के पास तीन (रांची, हटिया और कांके), कांग्रेस के पास दो (खिंजरी और मांडुर), झामुमो के सिमडेंगा से उनकी बेटी आइरान एकवाका और कोलेबिरा में बेटे विभव सदेश एकवाका को उतार दिया है। दोनों ने त्रिकोणीय संघर्ष की रिश्तें पैदा कर दी हैं। चुनाव के दौरान एनोस एकवाका जेल से बाहर है। इसने सभी पार्टियों के अंदर जावेनी दिख रही है। एनोस की इलाके में मजबूत पकड़ है। अयं से अधिक संपर्क मामले में सीटीआइ अदालत ने उनको सात साल की सजा सुनायी है। वैसे सिमडेंगा का समीकरण भी दिलचस्प है। जब भी गैर-इसाई मतदाता एकजुट होते हैं, भाजपा चुनाव जीत जाती है। 2014 में भाजपा की विमला प्रधान चुनाव जीती थीं। हालांकि, कोलेबिरा में राज्य गठन के बाद से भाजपा चुनाव नहीं जीत सकी है।

## सिमडेंगा जिले में एनोस एकका बना रहे त्रिकोण

सिमडेंगा जिले की सिमडेंगा और कोलेबिरा सीट पर भी अपीली कांग्रेस का ही कब्जा है। वहां इस बार भी सीटिंग विधायिकों को ही मैदान में उतार गया है। भाजपा ने भी पुराने प्रत्याशियों को ही टिकट दिया है। कहा जा रहा है कि इन दोनों सीटों पर मुकाबला कांग्रेस के सुरक्षेत्र भगत ने जीत दर्ज की है। रांची से भाजपा के संजय सेठ सांसदीय क्षेत्र में पड़ती है।

दो सीटों में भाजपा के बीच है, लेकिन रांची सीट पर भाजपा के पास है। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में और तमाङ विधानसभा सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची, गुमला और लोहरदगा दोनों सीटों में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये, तो रांची जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इनमें मांडर विधानसभा सीट लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में है। इनमें से दो पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि रांची सीट खुंटी संसदीय क्षेत्र में है। इन सात

जिलों के हिसाब से देखा जाये,







# संपादकीय

## भारत की अहमियत और ज्यादा होगी

**भा** रत और अमेरिका के आपसी इश्तें अब उस अवस्था में नहीं रह गये हैं कि उन्हें किसी खास पार्टी या नेता की अनुग्राही वाली सरकार की दिक्कार हो। लेकिन इसके बावजूद अग्र अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप का फिर से राष्ट्रपति चुना जाना द्विक्षीय रिस्तों के लिहाज से एक उत्साहपूर्ण घटना मानी जा रही है, तो यह बेवजह नहीं है। दोनों देशों के रिस्तों के कई ऐसे पहलू हैं, जहां बाइट हाउस में ट्रंप की मोंजदारी का प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ने की उम्मीद की जा रही है। जब से यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ है, भारत ने यह स्पष्ट नीति रखी है कि वह युद्ध के खिलाफ है, लेकिन रूस से अपनी पुरानी पराएँ कोर्झ सम्बोधन नहीं करने वाला। मोटे तौर पर सभी पक्षों ने भारत के इस रुख को स्वीकार भी किया है, लेकिन फिर भी बाइटन सरकार ने इस पर अपनी नाखुशी जताने का कोर्झ मौका हाथ से जाने नहीं दिया। अब ट्रंप के आने के बाद इस मोर्चे पर राहत की उम्मीद कई वजहों से है।

अब्बल तो खुब ट्रंप कह चुके हैं कि वह रस्सी राष्ट्रपति पूर्ति को पसंद करते हैं। दूसरी बात यूक्रेन युद्ध पर

चीन के प्रति ट्रंप के संभावित कड़े रुख के साइड इफेक्ट के रूप में भारत को बेहतर गौके मिले तो यह कोई आश्वर्य की बात नहीं होगी। चीन से मुंह नोडने वाली कई कंपनियां भारत को विकल्प के रूप देने वाली थीं। अक्रान्तिकी पर

उनका रुख बाइटन सरकार के मुकाबले और कड़ा हो सकता है। दूसरे रुखों में, उनकी नजर में भारत की अहमियत और ज्यादा होगी। हालांकि इसका नीतिज्ञ वर्ड जैसे मंचों को सामरिक रुख देने पर जोर के रूप में भी आ सकता है, जिससे भारत इनकार करता रहा है। चीन के प्रति ट्रंप के संभावित कड़े रुख के साइड इफेक्ट के रूप में भारत को बेहतर मौके मिले तो यह कोई आश्वर्य की बात नहीं होगी। चीन से मुंह मोड़ने वाली कई कंपनियां भारत को विकल्प के रूप देख सकती हैं। वैसे भी ट्रंप के अक्सर कार्यालय में अमेरिका और भारत के बीच रक्षा सहयोग बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। तामाज उम्मीदों के बीच ट्रंप के इस कार्यालय को लेकर कुछ ठोस आशांकाएँ भी हैं। सबसे बड़ा सवाल प्रवासियों पर उनके रुख को लेकर है। देखने वाली बात यह होगी कि उनकी सरकार अवैध प्रवासियों को ही निशाना बनाती है या वैध तौर पर आने वाले हाई रिक्लॉड प्रेफरेन्स की राह को भी मुश्किल बनाती है। बहरहाल, सबसे बड़ी बात यह है कि डॉनल्ड ट्रंप, पीएम मोदी और भारत को लेकर दोस्ती का भाव रखते हैं और नजरिया पांजियां दिया हैं तो रिश्तों के दरमान आने वाले छोटी-मोटी बाधाएँ यूँ ही दूर होती रहती हैं।

### अभिमत आजाद सिपाही

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य ऐसा नहीं, जिसे प्राप्त नहीं किया जा सके। रतन टाटा जी ने सबको सिखाया है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी, भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थे। वे विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बैहकी के लिए जाने वाले वर्षों के लिए एक विश्वसनीयता की बेहतरीन परंपरा थी। जब यह उनके जीवन से जुड़े गये, तो वह उनके जीवन को बदल दिया।



नरेंद्र मोदी  
आज श्री रतन टाटा जी के निधन को एक महान हो रहा है। पिछले महीने आज के ही दिन जब मुझे उनके गुजराने की खबर मिली, तो मैं उस समय आसायन समिट के लिए निकलने की तैयारी में था। रतन टाटा जी के हमसे दूर चले जाने की वेदना अब भी मन में है।

इस पीढ़ी को भूला पाना आसान नहीं है। रतन टाटा जी के तौर पर भारत ने अपने एक महान सपूत्र को खो दिया है...एक अमूल्य रुक्म को खो दिया है।

उनका धृषित रुख भी शहरों, कर्कों से लेकर गांवों तक, लोग उनकी कमी की गहराई से महसूस कर रहे हैं। ट्रंप के पहले कार्यालय के दैरान चीन के साथ ट्रेड वॉर की बात नहीं हो रही है। संभावना निराधार नहीं है कि हिंदू-प्रशांत में चीन की बढ़ाई हुई है। रतन टाटा जी के तौर पर भारत ने अपने एक महान सपूत्र को खो दिया है।

आज भी शहरों, कर्कों से लेकर गांवों तक, लोग उनकी कमी की गहराई से महसूस कर रहे हैं।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

इसके बावजूद, उन्होंने अपनी उपलब्धियों का पूरी विनप्रता और सहजता के साथ स्वीकार किया।

दूसरों के सफनों के साथ खुलकर समर्थन करना, दूसरों के सपनों पूरा करने में सहयोग करना, ये श्री रतन टाटा के सबसे शानदार गुणों में से एक था। हाल के वर्षों में, जो भारत के स्टार्टअप इनोवेशन का मार्गदर्शन करने और भवित्व की बाबत के रूपाली रुक्म के लिए एक था। वहां के वर्षों में, जो भारत में तारीफ करने के लिए एक था।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं, जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य हमें याद दिलाता है कि विनग्र द्वयाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए जी सफलता पायी जा सकती है। रतन टाटा जी की वेदना अब भी मन में है।

युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्त









# धनबाद/बोकाटो/बेटमो



## उद्योगमान भगवान भास्कर को अर्च्य देने के साथ संपन्न हुआ महापर्व छठ

आजाद सिपाही संवाददाता

फुसरो/बैसो। लोक अस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को उद्योगमान भगवान भास्कर को अर्च्य देने के साथ संपन्न हो गया। भगवान सूर्य को अर्च्य देने के लिए सुबह बेरों क्षेत्र में छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गयी। कई व्रतियों ने घरों में ही पानी का साधारण बना कर अर्च्य दिया। इससे पूर्व व्रतियों के घर से लोग सिंह पद दुर्गा लेकर छठ घाट पहुंचे थे। युवराज को अस्ताचलामी भगवान सूर्य को अर्च्य देने के बाद रात में कई छठ व्रतियों के घर पर भगवान सत्याग्रहण की कथा सुनी व आरती की। वहीं, कई व्रतियों ने छठ घाटों पर जाकर कोशी भराई की। इस दौरान पुलिस और



प्रशासन छठ घाटों पर संक्रिया रहे। फुसरो शहर में हिंदुस्तान पुल, करगाली गेट फिल्टर प्लाट, ढोरी खास, कल्याणी, बालू बैंकेर,

बेरों स्टेशन, कदमाडीह के अलावे अंगवाली, पिछड़ी, चलकरी स्थित दामोदर नदी घाट और कारों व अमलो तालाब में

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। उधर, आइनडीआईए महाठार्गंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी कुमार जयमगल सिंह उपर अनुप सिंह की

पती अनुपमा सिंह और एनडीए की पत्नी लक्ष्मी पांडेय ने अपने आवास पर ही ही भगवान सूर्य

देव की पूजा की। छठ महापर्व को लेकर पूरा बेरों में छठ के गीत गुजारान रहा। इससे पूरा क्षेत्र छठमय हो गया।

## संत श्री जलाराम बापा की जयंती पर रागिनी सिंह ने लिया आशीर्वाद



झरिया (आजाद सिपाही)। का आशीर्वाद लिया। जिसके बाद नंदबाना समाज भवन पहुंच कर सभी के साथ प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही विस चुनाव में उड़े भारी मतों से विजय बनाने की अपील की। वहीं, उत्तरायण लोगों ने भाजपा प्रत्याशी को जीत का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हीरीश कुमार जोशी, अधिकारी चेतन मपारा, अतुल मंडल किशोर ठक्कर, जिनेश जोशी, हिम्मतलाल राठोड़, नीरज ठक्कर ललित, सोलंकी कपिलेश शाह, हर्ष देव, राजेश ठक्कर, होमेश जोशी, विपुल ठक्कर, उमेश शाह सागर, ठक्कर चलकर दर्शन करने आए थे। श्री जलाराम मंदिर में भाजपा की झरिया प्रत्याशी रागिनी सिंह भी शामिल हुईं और जलाराम बापा जलपा जोशी आदि संक्रिया रहे।

## तीन दलों के नेताओं ने दिया रोहित यादव को अपना समर्थन



महदा (आजाद सिपाही)। चुनाव के दूसरे चरण के मतदान को महज 12 दिन शेष हैं। प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ प्रचार में जुटे हुए हैं। भाजपा, कांग्रेस ने इस रोहित यादव को जेएलपीएस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संघ भारी चार दिवसीय अस्था के लिए उमड़ रखा है। उनके जानसंपर्क में बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। दूसरी ओर, रोहित यादव के समर्थन में आये नेताओं ने धनबाद से भाजपा सांसां दुल्लू महतों एवं कांग्रेस प्रत्याशी जेलेश्वर महतों पर आयोगी करके दी। पृष्ठ दुबे ने तीनों को माला पहनकर स्वागत किया। बताते चले कि विधानसभा

## छठ घाटों पर पहुंचे राज सिन्हा, छठ व्रतियों से लिया आशीर्वाद

# छठ महापर्व संयम, संकल्प एवं समर्पण का प्रतीक: राज सिन्हा

स्टार प्रोग्रेसिव क्लब के तोरण द्वारा का किया उद्घाटन आजाद सिपाही संवाददाता



तोरण द्वारा का उद्घाटन करते राज सिन्हा।

भगवान सूर्य को अर्च्य देते भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा।

हमारे जीवन में निराशा परेशानियां जरूर आयी, लेकिन निर्वाह रूप से काम को पूजा की तरह करते रहने से सूर्यदेव रूपी उजाला जीवन में अवश्य आएगी। उधर, इस वर्ष भी स्टार प्रोग्रेसिव क्लब सिन्हा ने कहा कि छठी मईवारी की कृपा सब पर बनी रहे। छठ महापर्व एहसास करती है कि है कि रवच्छत ही हमारे जीवन का मूल आधार है। इस पर्व में घर से लेकर बाहर तक की अच्छे से साफ सफाई की जाती है। कहा कि

जीवनक में निर्वित सूर्यसिंह और अनिल अग्रवाल, अनिल प्रसाद उपर्युक्त भगवान सूर्य को अर्च्य देते थे। वहीं, छठ व्रतियों की सेवा में वलब के अध्यक्ष राकेश मुंदा, उपाध्यक्ष की प्रतिमा का दर्शन किया। बेकारबांध छठ तलब रिस्त रूपी मांदि ने बहन के बीच वलब के अध्यक्ष को फल, दूध, अमावस्या व जल का वितरण किया। दूसरी ओर, छठ पूजा पर भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने कहा कि छठी मईवारी को मनईटांड और पूर्ण तालाब सहित विभिन्न छठ घाटों पर जाकर छठ व्रतियों से आशीर्वाद लिया।

आशीर्वाद लिया। छठ घाटों पर अस्ताचलामी व उद्योगमान भगवान सूर्य को अर्च्य दिया। जबकि मटकुरिया में भगवान सूर्य की प्रतिमा का दर्शन किया। बेकारबांध छठ तलब रिस्त सूर्य मांदि ने बहन के बीच वलब के अध्यक्ष को फल, दूध, अमावस्या व जल का वितरण किया। दूसरी ओर, छठ पूजा पर भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने कहा कि छठी मईवारी को मनईटांड और पूर्ण तालाब सहित विभिन्न छठ घाटों पर जाकर छठ व्रतियों से आशीर्वाद लिया।

आशीर्वाद लिया। छठ घाटों पर अस्ताचलामी व उद्योगमान भगवान सूर्य को अर्च्य दिया। जबकि मटकुरिया में भगवान सूर्य की प्रतिमा का दर्शन किया। बेकारबांध छठ तलब रिस्त सूर्य मांदि ने बहन के बीच वलब के अध्यक्ष को फल, दूध, अमावस्या व जल का वितरण किया। दूसरी ओर, छठ पूजा पर भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने कहा कि छठी मईवारी को मनईटांड और पूर्ण तालाब सहित विभिन्न छठ घाटों पर जाकर छठ व्रतियों से आशीर्वाद लिया।

आशीर्वाद लिया। छठ घाटों पर अस्ताचलामी व उद्योगमान भगवान सूर्य को अर्च्य दिया। जबकि मटकुरिया में भगवान सूर्य की प्रतिमा का दर्शन किया। बेकारबांध छठ तलब रिस्त सूर्य मांदि ने बहन के बीच वलब के अध्यक्ष को फल, दूध, अमावस्या व जल का वितरण किया। दूसरी ओर, छठ पूजा पर भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने कहा कि छठी मईवारी को मनईटांड और पूर्ण तालाब सहित विभिन्न छठ घाटों पर जाकर छठ व्रतियों से आशीर्वाद लिया।

आशीर्वाद लिया। छठ घाटों पर अस्ताचलामी व उद्योगमान भगवान सूर्य को अर्च्य दिया। जबकि मटकुरिया में भगवान सूर्य की प्रतिमा का दर्शन किया। बेकारबांध छठ तलब रिस्त सूर्य मांदि ने बहन के बीच वलब के अध्यक्ष को फल, दूध, अमावस्या व जल का वितरण किया। दूसरी ओर, छठ पूजा पर भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने कहा कि छठी मईवारी को मनईटांड और पूर्ण तालाब सहित विभिन्न छठ घाटों पर जाकर छठ व्रतियों से आशीर्वाद लिया।

आशीर्वाद लिया। छठ घाटों पर अस्ताचलामी व उद्योगमान भगवान सूर्य को अर्च्य दिया। जबकि मटकुरिया में भगवान सूर्य की प्रतिमा का दर्शन किया। बेकारबांध छठ तलब रिस्त सूर्य मांदि ने बहन के बीच वलब के अध्यक्ष को फल, दूध, अमावस्या व जल का वितरण किया। दूसरी ओर, छठ पूजा पर भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने कहा कि छठी मईवारी को मनईटांड और पूर्ण तालाब सहित विभिन्न छठ घाटों पर जाकर छठ व्रतियों से आशीर्वाद लिया।

आशीर्वाद लिया। छठ घाटों पर अस्ताचलामी व उद्योगमान भगवान सूर्य को अर्च्य दिया। जबकि मटकुरिया में भगवान सूर्य की प्रतिमा का दर्शन किया। बेकारबांध छठ तलब रिस्त सूर्य मांदि ने बहन के बीच वलब के अध्यक्ष को फल, दूध, अमावस्या व जल का वितरण किया। दूसरी ओर, छठ पूजा पर भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने कहा कि छठी मईवारी को मनईटांड और पूर्ण तालाब सहित विभिन्न छठ घाटों पर जाकर छठ व्रतियों से आशीर्वाद लिया।

आशीर्वाद लिया। छठ घाटों पर अस्ताचलामी व उद्योगमान भगवान सूर्य को अर्च्य दिया। जबकि मटकुरिया में भगवान सूर्य की प्रतिमा का दर्शन किया। बेकारबांध छठ तलब रिस्त सूर्य मांदि ने बहन के बीच वलब के अध्यक्ष को फल, दूध, अमावस्या व जल का वितरण किया। दूसरी ओर, छठ पूजा पर भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने कहा कि छठी मईवारी को मनईटांड और पूर्ण तालाब सहित विभिन्न छठ घाटों पर जाकर छठ व्रतियों से आशीर्वाद लिया।

आशीर्वाद लिया। छठ घाटों पर अस्ताचलामी व उद्योगमान भगवान सूर्य को अर्च्य दिया। जबकि मटकुरिया में भगवान सूर्य की प्रतिमा का दर्शन किया। बेकारबांध छठ तलब रिस्त सूर्य मांदि ने बहन के बीच वलब के अध्यक्ष को फल, दूध, अमावस्या व जल का वितरण किया। दूसरी ओर, छठ पूजा पर भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने कहा कि छठी मईवारी को मनईटांड और पूर्ण तालाब सहित विभिन्न छठ घाटों पर जाकर छठ व्रतियों से आशीर्वाद लिया।

आशीर्वाद लिया। छठ घाटों पर अस्ताचलामी व उद्योगमान भगवान सूर्य को अर्च्य दिया। जबकि मटकुरिया में भ

## मेट्रो प्रोजेक्ट 2027 तक पूरा हो जायेगा

दो माह में मिट्टी की जांच करायी जायेगी

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। मेट्रो को लेकर बड़ी खबर आयी है। मेट्रो प्रोजेक्ट नवंबर 2027 तक पूरा हो जायेगा। 3 कोंच बाली 13 मेट्रो ट्रेन खरीदने की योजना रखा गया है। अब मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए मिट्टी की जांच की जा रही है। इल्ली एवं क्रांति प्रयोगशालाओं में विभिन्न स्थानों से 50 से 60 मीटर की चौड़ी से मिट्टी लेकर मूल परिक्षण किया जा रहा है। अगले दो माह में मिट्टी की जांच करायी जायेगी। मिट्टी की जांच बोने के बाद नींव की डिजाइन का काम शुरू होगा। रतांग, निशनिंग फ्लॉपेखरी में भुवनेश्वर मेट्रो रेल परियोजना रखखाव डिपो का निर्माण भी चल रहा है। मेट्रो ट्रेन जमीन से 13 मीटर ऊपर चलेंगी। छालाकि, राजमहल, जयदेव विहार और बांधारा रेलवे लाइन पर इसकी ऊंचाई अधिक होगी। हर 10 मिनट पर मेट्रो ट्रेनें चलेंगी।

## गौशाला और चाऊंपुर ग्रिड सबस्टेशन के रखखाव कार्य के लिए बिजली कटौती

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बुला टीपीडब्ल्यूओडीएल की 33/11 केवी गौशाला और चाऊंपुर ग्रिड सबस्टेशन में तत्काल रखखाव कार्य के लिए सानटिकरा, गौशाला चौक, बाबूबंध, भई टिकिरा, लड्डुखाई चौक, लड्डुखाई गाँव, जगदंगा राइस मिल, माखुनुडा, सुविधार पदा, खलिया भटा जयुदा, बाल सिंहारी सहित इसके आसपास के इलाकों में शुक्रार को सुबह 8.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक घुटी की गयी। टीपीडब्ल्यूओडीएल अधिकारी ने जनता से सहयोग मांगा है।

## ओडिशा सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 15 दिसंबर को

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओएससी) प्रारंभिक परीक्षा 15 दिसंबर को आयोजित की जायेगी। इस संबंध में ओडिशा लोक सेवा अधिकारी (ओएससी) ने शेष्यूल जारी किया है। परीक्षा रविवार 15 दिसंबर को आयोजित की जायेगी। ओपेएससी द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि परीक्षा का पूरा कार्यक्रम बाद में जारी किया जायेगा। यह परीक्षा 27 अक्टूबर को आयोजित होने वाली थी। हालांकि, उस समय चक्रवात दाना के कारण परीक्षा स्थगित कर दी गयी थी। अब, ओपेएससी ने आपी तारीख को परीक्षा आयोजित करने के लिए एक अधिसूचना जारी की है।

## भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर फ्लाइट रद्द होने से यात्री परेशान

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर फ्लाइट रद्द होने से यात्री परेशान हैं। बार-बार रद्द होने के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों ने एयरलाइन की मनमानी कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। जानकारी के मतानुकूल भुवनेश्वर से हैंडेबोड के लिए उड़ान कूल सुबह 9.55 बजे थी, लैकेन किसी कारणशंक्षण इसे रद्द कर दिया गया था। हैंदरावाद की उड़ान को गुरुवार सुबह 8:45 बजे के लिए पुनर्निर्णय किया गया। जिन यात्रियों ने टिकट बुक कराये थे, वे हवाईअड्डे पर पहुंचे, लैकिन फिर से फ्लाइट रद्द कर दिया गया। बार-बार यात्रा रद्द करने के बाद यात्री धने पर बैठ गये।

## कार्यालय में महिला ने आपूर्ति सहायक को चप्पल से मारा, तीव्रिया वायरल

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बलांगीर आगलपुर के आपूर्ति सहायक के खिलाफ जंगीर आयोग। राशन कार्ड करवा देने की कहर के बिंदु विद्यालय के आपूर्ति सहायक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को आपूर्ति सहायकी की मनमानी कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। जानकारी के मतानुकूल भुवनेश्वर से हैंडेबोड के लिए उड़ान कूल सुबह 9.55 बजे थी, लैकेन किसी कारणशंक्षण इसे रद्द कर दिया गया था। हैंदरावाद की उड़ान को गुरुवार सुबह 8:45 बजे के लिए पुनर्निर्णय किया गया। जिन यात्रियों ने टिकट बुक कराये थे, वे हवाईअड्डे पर पहुंचे, लैकिन फिर से फ्लाइट रद्द कर दिया गया। बार-बार यात्रा रद्द करने के बाद यात्री धने पर बैठ गये।

## सुनंदा दास समर्थकों के साथ बीजेपी में शामिल

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बलांगीर आगलपुर के आपूर्ति सहायक के खिलाफ जंगीर आयोग। राशन कार्ड करवा देने की कहर के बिंदु विद्यालय के आपूर्ति सहायक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को आपूर्ति सहायकी की मनमानी कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। जानकारी के मतानुकूल भुवनेश्वर से हैंडेबोड के लिए उड़ान कूल सुबह 9.55 बजे थी, लैकेन किसी कारणशंक्षण इसे रद्द कर दिया गया था। हैंदरावाद की उड़ान को गुरुवार सुबह 8:45 बजे के लिए पुनर्नि�र्णय किया गया। जिन यात्रियों ने टिकट बुक कराये थे, वे हवाईअड्डे पर पहुंचे, लैकिन फिर से फ्लाइट रद्द कर दिया गया। बार-बार यात्रा रद्द करने के बाद यात्री धने पर बैठ गये।

## सुनंदा दास समर्थकों के साथ बीजेपी में शामिल

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बलांगीर आगलपुर के आपूर्ति सहायक के खिलाफ जंगीर आयोग। राशन कार्ड करवा देने की कहर के बिंदु विद्यालय के आपूर्ति सहायक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को आपूर्ति सहायकी की मनमानी कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। जानकारी के मतानुकूल भुवनेश्वर से हैंडेबोड के लिए उड़ान कूल सुबह 9.55 बजे थी, लैकेन किसी कारणशंक्षण इसे रद्द कर दिया गया था। हैंदरावाद की उड़ान को गुरुवार सुबह 8:45 बजे के लिए पुनर्निर्णय किया गया। जिन यात्रियों ने टिकट बुक कराये थे, वे हवाईअड्डे पर पहुंचे, लैकिन फिर से फ्लाइट रद्द कर दिया गया। बार-बार यात्रा रद्द करने के बाद यात्री धने पर बैठ गये।

## लंबित अनुकंपा नियुक्ति मामलों को लेकर 18 को खोराधा रोड मंडल में लगेगी अदालत

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बलांगीर आगलपुर के आपूर्ति सहायक के खिलाफ जंगीर आयोग। राशन कार्ड करवा देने की कहर के बिंदु विद्यालय के आपूर्ति सहायक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को आपूर्ति सहायकी की मनमानी कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। जानकारी के मतानुकूल भुवनेश्वर से हैंडेबोड के लिए उड़ान कूल सुबह 9.55 बजे थी, लैकेन किसी कारणशंक्षण इसे रद्द कर दिया गया था। हैंदरावाद की उड़ान को गुरुवार सुबह 8:45 बजे के लिए पुनर्निर्णय किया गया। जिन यात्रियों ने टिकट बुक कराये थे, वे हवाईअड्डे पर पहुंचे, लैकिन फिर से फ्लाइट रद्द कर दिया गया। बार-बार यात्रा रद्द करने के बाद यात्री धने पर बैठ गये।

## एनटीपीसी ने 50वां स्थापना दिवस मनाया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बलांगीर आगलपुर के आपूर्ति सहायक के खिलाफ जंगीर आयोग। राशन कार्ड करवा देने की कहर के बिंदु विद्यालय के आपूर्ति सहायक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को आपूर्ति सहायकी की मनमानी कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। जानकारी के मतानुकूल भुवनेश्वर से हैंडेबोड के लिए उड़ान कूल सुबह 9.55 बजे थी, लैकेन किसी कारणशंक्षण इसे रद्द कर दिया गया था। हैंदरावाद की उड़ान को गुरुवार सुबह 8:45 बजे के लिए पुनर्निर्णय किया गया। जिन यात्रियों ने टिकट बुक कराये थे, वे हवाईअड्डे पर पहुंचे, लैकिन फिर से फ्लाइट रद्द कर दिया गया। बार-बार यात्रा रद्द करने के बाद यात्री धने पर बैठ गये।

## एनटीपीसी बोंगाईगांव ने भव्य उत्सव मनाया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बलांगीर आगलपुर के आपूर्ति सहायक के खिलाफ जंगीर आयोग। राशन कार्ड करवा देने की कहर के बिंदु विद्यालय के आपूर्ति सहायक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को आपूर्ति सहायकी की मनमानी कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। जानकारी के मतानुकूल भुवनेश्वर से हैंडेबोड के लिए उड़ान कूल सुबह 9.55 बजे थी, लैकेन किसी कारणशंक्षण इसे रद्द कर दिया गया था। हैंदरावाद की उड़ान को गुरुवार सुबह 8:45 बजे के लिए पुनर्निर्णय किया गया। जिन यात्रियों ने टिकट बुक कराये थे, वे हवाईअड्डे पर पहुंचे, लैकिन फिर से फ्लाइट रद्द कर दिया गया। बार-बार यात्रा रद्द करने के बाद यात्री धने पर बैठ गये।

## एनटीपीसी तालघर थर्मल में भी उत्सव का आयोजन

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बलांगीर आगलपुर के आपूर्ति सहायक के खिलाफ जंगीर आयोग। राशन कार्ड करवा देने की कहर के बिंदु विद्यालय के आपूर्ति सहायक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को आपूर्ति सहायकी की मनमानी कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। जानकारी के मतानुकूल भुवनेश्वर से हैंडेबोड के लिए उड़ान कूल सुबह 9.55 बजे थी, लैकेन किसी कारणशंक्षण इसे रद्द कर दिया गया था। हैंदरावाद की उड़ान को गुरुवार सुबह 8:45 बजे के लिए पुनर्निर्णय किया गया। जिन यात्रियों ने टिकट बुक कराये थे, वे हवाईअड्डे पर पहुंचे, लैकिन फिर से फ्लाइट रद्द कर दिया गया। बार-बार यात्रा रद्द करने के बाद यात्री धने पर बैठ गये।

## महाराष्ट्र विद्यालय में एमबीबीएस और बीडीएस बैच के लिए काइट लैट्रेन को लेकर घर तक सभी डिजिटल

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बलांगीर आगलपुर के आपूर्ति सहायक के खिलाफ जंगीर आयोग। राशन कार्ड करवा देने की कहर के बिंदु विद्यालय के आपूर्ति सहायक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को आपूर्ति सहायकी की मनमानी कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। जानकारी के मत